

14⁰⁵/₂₄ पत्रावली पेश हुई वकूला
 उपस्थित, पत्रावली पूर्वानुसार
 वास्ते.....

 दिनांक.....को पेश हो।
 24/6/24

24⁶/₂₄

पत्रावली पेश हुई। वाकी व वाकी कमील जग
 नही। प्रकरण के वाकी व वाकी कमील के बार-बार
 आनाद मिलवायी गयी। आनाद मिलवायी के
 आवपूद वाकी व वाकी कमील उपस्थित
 मिलाने काहेर सुना है कि वाकी व वाकी कमील
 प्रकरण मार्ग चले के इन्होंने ले रहे है। अह
 सुभं 33/24 दाका कुमरसिंह नया के अद्वार
 अदम चन्दरी व अदम देवी के सम्बन्ध किया जाता
 है। पत्रावली के अहल सुमार देकर वगैर से सम्बन्ध



24/6
24

पत्तावली देना रही। आमतौर व अत्यंत तकलीफ
उत्पन्न नहीं। अक्सर मैं बार-बार अत्यंत व अत्यंत
वसीलतों की आवश्यकता दिखलाई जाती। अत्यंत दिखलाई
के बावजूद अत्यंत व अत्यंत तकलीफ उत्पन्न नहीं। फिरकी
जाकर यह है कि आमतौर व अत्यंत तकलीफ अत्यंत
आवश्यकता में शक्तिहीन हो रही है। अत्यंत-अत्यंत

26/24 T. I कुम्हारों के अत्यंत अत्यंत अत्यंत
व्यवस्था व अत्यंत पैरों में अत्यंत किया जाता
है। पत्तावली के अत्यंत अत्यंत अत्यंत अत्यंत
है।